डायमण्ड कॉमिक्स

प्राण

चाचा चौधरी टोकियो में

eHindiComics
Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

[illegible] 1960 में [illegible] मिलाप से शुरू हुआ।

इन दिनों सारे भारत में विदेशी कॉमिक्स छपती थी। प्राण ने भारतीय पात्रों की रचना करके भारतीय विषयों पर कॉमिक्स बनाना शुरू किया। उनके प्रमुख चरित्र हैं - चाचा चौधरी, साबू, श्रीमतीजी, पिंकी, बिल्लू और रमन।

[illegible] 1995 में [illegible] पुरस्कृत किया। उनका चाचा चौधरी [illegible] अमेरिका में स्थायी रूप से रखा गया है। 1983 में भारतीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकता पर बनी कॉमिक्स 'रमन-हम एक हैं' का विमोचन किया।

प्राण के कॉमिक्स की लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सरल शब्दों द्वारा पाठकों को भरपूर गुदगुदाते हैं।

प्रकाशक

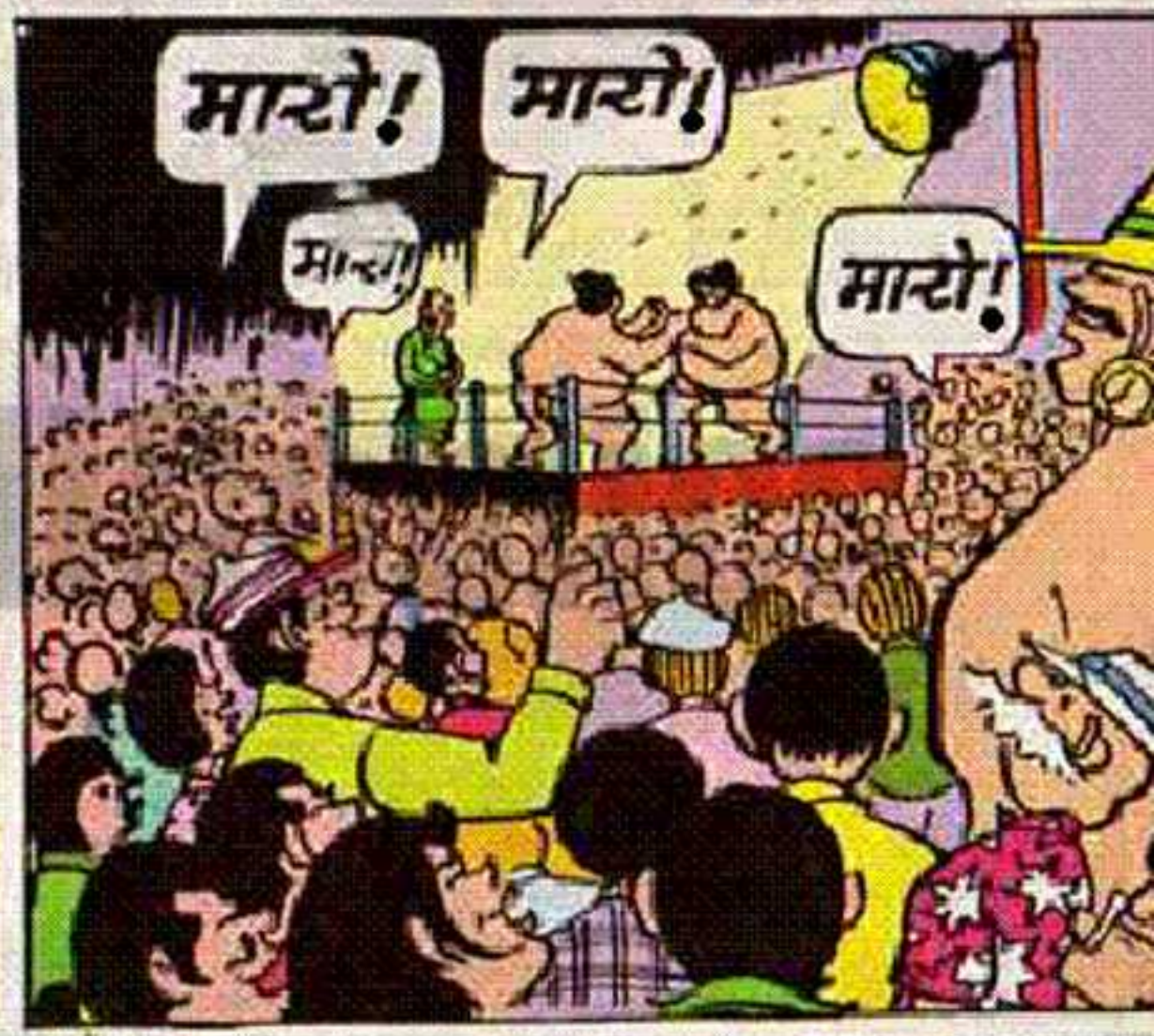

TITLES CHACHA CHAUDHARY AND SABU AND THEIR CHARACTERS ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETORS PRAN'S FEATURES, 4-84 NARAINA VIHAR, NEW DELHI-110028. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION COMICS. ANY SIMILARITY TO REAL HUMAN BEING OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

कुछ दूर पर.

ओनो! मैं तुमसे प्यार करता हूं.

अहीरो! मैं भी तुम्हें चाहती हूं.

तो फिर क्यों न हम शादी कर लें?

मैं अपनी मां से बात करूंगी.

ओनो! तुम मेरे सिवा किसी की नहीं हो सकतीं.

हत्तो! मैं अगर शादी करूंगी तो अहीरो से.

मुझ जैसे राष्ट्रीय पहलवान के आगे यह चूहा क्या महत्व रखता है?

मैं इसको दूध में बाल की तरह निकाल फेंकता हूं.

नहीं! हत्तो, उसे छोड़ दो!

© PRANS FEATURES
Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

कोई रास्ता निकाल लेंगी. भारत से एक निशमंद चाचा चौधरी यहाँ आया है. मैं उससे मदद लेती हूँ.
चाचा चौधरी! पहलवान हलो मेरा अपहरण करना चाहता है. मुझे तुम्हारी सहायता चाहिए.
खूंखार आदमी है. उससे पूरा शहर है. तुम इस पचड़े में न पड़ो तो अच्छा है.
मेरे रहते किसी महिला के साथ ज्यादती नहीं होगी.
आओ, चलें.
दूसरे दिन.
मोटे! ओनो की रक्षा का भार मैंने अपने ऊपर लिया है. सो इस मकान के करीब न आना.
हो! हो!! चूहा हाथी को ललकारता है?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मैं उसे जान से मार डालूंगा.
नहीं! वह चाचा चौधरी है. चतुराई में तुम उससे नहीं जीत सकते.
लेकिन मैं ओनो के बगैर भी जिन्दा नहीं रह सकता.
अक्ल को अक्ल से टकराना होगा. मैं चाचा चौधरी को ओनो से दूर कर देता हूं. पीछे से तुम उस सुन्दरी को लेकर चम्पत हो जाओ.
ठीक है. ताओ.
ताओ का नमस्कार! जिसने जापान आकर नूडल्स नहीं खायी उसका यहां आना व्यर्थ गया. मेरे साथ चलिए और स्वादिष्ट डिश का आनंद लीजिए.
यही मौका है.
मुझे आपका मेहमान बनने में खुशी है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मैं उसको तुम्हारे रास्ते से हटा देता हूँ. बशर्ते तुम कर्ज़ चुका दोगे!

मंजूर है. डाका डालने से जो रुपया पैसा मेरे हाथ लगेगा मैं वह तुम्हें दे दूंगा.

तुम चाचा चौधरी को उत्तर-पश्चिम पहाड़ी-शृंखला पर लाओ. बाकी काम मुझ पर छोड़ दो.

ठीक है.

उधर.

चाचाजी! कितनी दूर तक जॉगिंग करनी है?

ज्यादा दूर नहीं, साबू! ज्यादा व्यायाम से ज्यादा भूख लगेगी. बीनी हम पर गुर्रायेगी!

ओहह! शहर में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है.

जायें तो कहां जायें?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मैं इन्हें ऐसे लेकर जाऊंगा कि किसी को शक न हो. मैं पहले बाज़ीगर था.
"और मेरे खेलों में से एक था पूरी तलवार निगलना."
मैं इन जेवरों को भी पेट में डाल सकता हूं.
जब खतरा टल जायेगा, आभूषणों को बाहर निकाल लूंगा.
आओ, चलें!
ुम कहां से आये ?
क्यों? क्या म्यूज़ियम की वस्तुओं को देखना जुर्म है. वह वहां पब्लिक के लिए रखी हैं.
© PRAN'S FEATURES

मुझे शक है. अंदर जाकर देखना चाहिए.

हैं?? बेगम नूरजहां के आभूषण गायब?

रुको! नहीं तो गोली मार दूंगा.

म्यूजियम में चोरी हुई है. तुम्हारी तलाशी लेनी होगी.

देखो! हमारे पास कुछ नहीं है.

हम शरीफ आदमी हैं.

फिर वे कहां गये?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

दूध और पानी

सेठानी राजलक्ष्मी! तुम्हें यहां आकर दूध लेने की क्या जरूरत है? ग्वाला वह तुम्हारे घर पहुंचा देता.

मैं बिना मिलावट का दूध पीना पसंद करती हूं.

शायद यही तुम्हारी सेहत का राज़ है.

मैंने आज तक सिर्फ शुद्ध दूध पीया है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अच्छा चलते हैं, फिर मिलेंगे

HOTEL

दूध रेफ्रिजरेटर में रख दूं.

मालकिन ने दूध फ्रिज में रखा है. क्यों न आधा मैं पी लूं?

मालकिन की तरह मेरी भी सेहत बन जाये.

जितना दूध निकाला है, उतना पानी मिला देना चाहिए.

बर्तन वापस रेफ्रिजरेटर में रख देता हूं. किसी को क्या पता चलेगा?

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

भीखू! मेरे दूध पीने का टाइम हो गया है.
शम्भू काका! मैं काम में लगा हूं. मालकिन को दूध तुम दे आओ.
अच्छा, भीखू!
उल्प फ फ!! मिलावटी दूध?
मगर मालकिन, वह जैसा रेफ्रिजरेटर में पड़ा था मैं वैसा गिलास में डालकर ले आया.
तुम में से दूध में पानी किसने मिलाया है?
मैंने नहीं!
हो सकता है भैंस ने पानी ज्यादा पी लिया हो इसलिए दूध पतला हो गया?
दूसरे दिन.
मैं चखकर पता कर सकती हूं कि आज भी दूध में मिलावट है?
मगर मैंने उसमें कुछ नहीं मिलाया.
मैंने भी नहीं!

...सरे
...न.

राज्यलक्ष्मी! तुम्हारे दूध पीने के शौक की तारीफ करनी पड़ेगी.

मगर चाचा चौधरी! आजकल मुझे वह शुद्ध पीने को नहीं मिल रहा.

कोई चोरी से दूध पी जाता है, और बचे दूध में पानी मिला देता है.

पता नहीं ऐसा कौन करता है?

दूध रेफ्रिजरेटर में मैं रखता हूं.

वह उबलने लग गया!

अब इसे रेफ्रिजरेटर में रख दूं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

तभी

कोई आसपास नहीं है. दूध पीया जाये.

अहा! वह रहा बर्तन में.

ई ई ई ई! -- गर्म दूध से जल गया!

वह रहा चोर! स्टील का बर्तन गर्म होने से उसके हाथ से छूट गया!

मगर रेफ्रिजरेटर में रखने से दूध ठंडा क्यों नहीं हुआ?

मैंने फ्रिज की बिजली की सप्लाई बंद कर दी थी.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

आज छुट्टी का दिन यहीं बिताया जाये.

समुद्र में एक जहाज तेजी से आ रहा है.

कैप्टन ! मौसम खुला है.

हाँ, लेकिन सम्भलकर. दूसरे जहाज भी इस समुद्र में तैर रहे हैं.

यह विशाल जल है. कोई दिल्ली का भीड़ भरा बाजार नहीं, जहां से गाड़ी निकालनी मुश्किल हो.

सामने देखो ! दूसरा जहाज कतार से निकलना चाहता है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अब आग बुझते देर नहीं लगेगी.

बचाओ!

आग बुझ गयी. अब कोई खतरा नहीं.

धन्यवाद, साबू!

आओ चलें. अभी एक दूसरी आग बुझानी है.

कौनसी?

पेट की आग!-- खाना खायेंगे.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

कीमती हार

भाग्यवान! कीमती हार किस खुशी में पहना जा रहा है.

यूंही, मेरा मन चाहा.

शादी पर तुमने वायदा किया था कि हम मिलजुल कर गृहस्थी बनायेंगे. लेकिन तुमने कभी ऐसा नहीं किया.

तुम भूल रही हो.

यह कीमती हार हम दोनों के सहयोग से घर में आया. तुमने ज्वेलर को बिल दिया मैं डिब्बा उठाकर घर तक लाया.

© FRANK FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

हा! हा!!

हा! हा!!

?

बीनी! चाय का टाइम हो गया है.

वह नहीं बन सकती. चीनी खत्म है.

जाकर बनिये से चीनी लाओ.

मैं नहीं जा सकता.

वह उधार के पहले पैसे मांगेगा.

ठीक है. मैं जाकर उसकी दुकान से चीनी का इंतजाम करती हूं.

बिना पैसे के तुम चीनी कैसे लाओगी?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

दीपा! आओ, चलें.

अरर रर! तुम मेरा हार वापस करना भूल गयीं.

क्या बकती हो? जिसके गले में है, हार उसी का होता है!

तुम्हारा बच्चा मेरे पास है. जब तक तुम हार नहीं लौटातीं, यह मेरे पास रहेगा.

इस बच्चे की मां वह है. थोड़ी देर के लिए इसे मैंने मांग लिया था.

मेरा बेटा!

अहा! भीनी भीनी खुशबू!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अनोखा अपहरण

चाचाजी! सुबह मैं दूर तक जागिंग कर आऊँ.

मंद मंद हवा चल रही है. चारों तरफ हरियाली है.

धमाकासिंह! वह आ रहा है

साबू! मेरा यह हथियार हाथी को धराशायी करने की क्षमता रखता है. चुपचाप मेरे साथ चले आओ!

हो!हो!! आज बड़ा शिकार हाथ लगा.

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/